

POST GRADUATE DIPLOMA IN  
INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/  
MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2011

IBO-04 : EXPORT - IMPORT  
PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer both parts A and B.

PART - A

1. Comment on *any four* of the following :  $5 \times 4 = 20$
- As a result of liberalisation in India's foreign trade policy there are no restrictions on imports.
  - All export documents are needed only in compliance with government regulations. If the Government regulations are withdrawn, no documents will be needed.
  - A confirmed Irrevocable letter of credit is the safest method for realising export proceeds.
  - I I F T is the government agency set up for the purpose of disseminating information about foreign markets and export - import opportunities.
  - There is no difference between domestic and international sales contract.

## PART - B

Answer *any four* questions.

2. What are the major implications of FOB and CIF contracts respectively with regard to functional responsibilities cost sharing and risk transfer ? Explain giving suitable illustrations in support of your answer. 10+10
  
  3. What are the advantages of arbitration over 'litigation' as a method of dispute settlement in international trade ? Explain giving illustrations. 20
  
  4. What are the key elements of an Electronic Data Interchange (EDI) system ? Discuss its role and functions. 10+10
  
  5. Make a flow chart of processing an export order from its examination upto shipment stage. 20
  
  6. A letter of credit reconciles the conflicting interests of buyers and sellers in an export contract. Discuss 20
  
  7. Write short notes on *any two* of the following. 10+10
    - (a) Shipping Bill
    - (b) Forward Exchange Cover
    - (c) Exports under rule 19 of Central Excise Rebate Scheme.
    - (d) Deemed Exports
-

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर  
डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : खंड-अ और खंड-ब दोनों खण्डों के उत्तर लिखिये।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** कथनों की समालोचन कीजिये।
  - (a) भारत के विदेश व्यापार नीति में उदारीकरण के फलस्वरूप आयात पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है। 5x4=20
  - (b) सभी निर्यात प्रलेखों की आवश्यकता सरकारी नियमों के अनुपालन में ही है। यदि सरकारी नियम हटा दिये जायें तो किसी प्रलेख की आवश्यकता नहीं होगी।
  - (c) एक पुष्टिकृत अनिरसनीय साख पत्र (a confirmed Irrevocable letter of credit) ही निर्यात आय की प्राप्ति का सबसे सुरक्षित तरीका है।
  - (d) आई.आई.एफ.टी. एक सरकारी एजेंसी है जो विदेशी बाजार एवं आयात-निर्यात अवसर संबंधित जानकारी देने के उद्देश्य से स्थापित की गई हैं।
  - (e) देशी एवं विदेशी विक्रय अनुबंध में कोई अन्तर नहीं होता।

## खण्ड-ब

2. कार्यात्मक उत्तरदायित्वों, लागत साझेदारी एवं जोखिम हस्तान्तरण के सन्दर्भ में FOB एवं CIF अनुबंध के प्रमुख निहितार्थ क्या हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण दीजिये। 10+10
3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विवाद निपटान के लिए मध्यस्थता विधि के लाभ मुकदमेबाजी (litigation) की तुलना में क्या हैं? उदाहरण देते हुये व्याख्या कीजिये। 20
4. इलेक्ट्रानिक डाटा इंटरचेंज (EDI) प्रणाली के प्रमुख तत्व क्या हैं? इसकी भूमिका एवं कार्यों का विवेचन कीजिये। 10+10
5. एक निर्यात आदेश की कार्यवाही का निर्यात आदेश की जांच से लेकर पोत लदान तक का प्रवाह चार्ट बनाइये। 20
6. "एक निर्यात अनुबंध में साख पत्र, क्रेता एवं विक्रेता के विरोधी हितों का मिलान करता है।" विवेचना कीजिये। 20
7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिये : 10+10
  - (a) जहाजी बिल
  - (b) वायदा विनिमय कवर (Forward exchange cover)
  - (c) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की छूट योजना के नियम 19 के अन्तर्गत निर्यात
  - (d) समनिर्यात